अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा षष्टम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें (आगति गति) (कितनी व कहां-कहां से)– 24

(क) संज्ञी तिर्यंच

(ख) विभंग ज्ञान

(ग) हरिवास, रम्यकवास के यौगलिक

(घ) श्रावक

(ङ) मिथ्या दृष्टि

(च) मतिज्ञान एवं श्रुत ज्ञान

(छ) नपुंसक वेद

(ज) अवधि ज्ञान

(झ) छप्पन अन्तर्द्वीप के यौगलिक में

(ञ) दूसरे तीसरे किल्विषीक तथा तीसरे से आठवें देवलोक।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) तेजोलेश्या वाले तेजो लेश्या में जाएं तो–आगति-गति।

(ख) जम्बू द्वीप, लवण समुद्र, अर्द्ध पुष्कर द्वीप में कितने व कौन से भेद पाते हैं?

(ग) उर्ध्व लोक, अधोलोक व मध्य लोक में जीव के कितने व कौन से भेद पाते हैं?

(घ) पृथ्वी, पानी, वनस्पति व सम्यक मिथ्या दृष्टि में आगति-गति।

(ङ) नील लेश्या वाले नील लेश्या में जाए तो आगति-गति।

काय स्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) विभंग ज्ञानी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बताएं कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है।

(ख) अवधि दर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बताऐं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित होती है?

(ग) सूक्ष्म काल पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(घ) द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(ङ) मनयोगी, वचनयोगी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित होती है?

(च) नपुंसक वेदी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बतायें कि जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य अंतर किस अपेक्षा से लिया गया है।

(छ) स्त्रीवेदी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है? उसमें पांचवीं अपेक्षा किस प्रकार घटित होती है?

(ज) तिर्यंचणी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(झ) बादर काल पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ञ) बादर द्रव्य पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ट) कृष्ण लेश्यी की जघन्य व उत्कृष्ट कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(ठ) क्षयोपशम सम्यक्त्वी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व ज.उ. अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) सम्यक् दृष्टि की कायस्थिति किस अपेक्षा है?

(ख) आहारक शरीर कोई जीव अधिकतम कितनी बार प्राप्त कर सकता है?

(ग) पृथ्वी, अप, वायु, वनस्पति पर्याप्त की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति बतायें?

(घ) जीव की उत्कृष्ट कायस्थिति क्या व क्यों है?

(ङ) काय परीत की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(च) भाषक की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(छ) नो संयति- नो अयंसति का क्या तात्पर्य है?

(ज) सयोगी की जघन्य कायस्थिति लिखते हुए उसके पीछे क्या अपेक्षा है बतायें?

(झ) क्रोध, मान, माया कषायी की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ञ) वर्गणा किसे कहते हैं?

(ट) प्रथम व दूसरे देवलोक की देवियों की आयु कितनी होती है?

(ठ) पुद्गल परावर्तन के आठ प्रकार किस प्रकार होते हैं?

गीतिका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 16

(क) लूण आदि.....संसार ए।।

(ख) निर्ग्रंथ ग्यारमे.....छट्ठे जोय।।

(ग) जीव अजीव.....डिगाई रे।।

(घ) दशो ही.....आण विवेक।।

(ङ) इण रो नहिं.....घालियो ए।।

(च) चुरू शहर.....कुसलातो रे।।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक लाईन में लिखें– 4

(क) वेदनीय कर्म के भेदों के नाम लिखते हुए बतायें कि उनकी स्थिति कितनी है?

(ख) चक्रवर्ती सनतकुमार कितने देशों का स्वामी था? उसके शरीर में एक साथ कितने रोग उत्पन्न हुये?

(ग) भगवान ने अभयदान किसे कहा है?

(घ) देश मोह का उपशम निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में पाया जाता है?

(ङ) आठों कर्मों का बंध किन-किन गुणस्थानों तक होता है?

(च) इक्कीसवीं गीतिका का रचनाकाल, स्थान व कितने साधु, साध्वियां थे? लिखें।